CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 03 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए

- इस प्रश्नपत्र में 2 खंड हैं खंड अ और खंड ब।
- खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड ब में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

पतंग के जन्म के बारे में ठीक-ठीक जानकारी तो इतिहास में नहीं मिलती, पर कुछ ठोस जानकारी के हिसाब से करीब दो हजार वर्ष पूर्व चीन में किसी किसान ने मजाक-मजाक में अपनी टोपी में डोरी बाँधकर हवा में उछाल दिया था, और वह दुनिया की पहली पतंग बन गई। बाद में कुछ चीनी व्यापारियो से होते हुए यह विश्वभर में प्रचलित हो गई।

आज भारत के गुजरात राज्य के अहमदाबाद शहर में होने वाले काईट उत्सव से हर कोई परिचित है। इस महोत्सव में भाग लेने के लिए हर वर्ष विश्व के कोने-कोने से प्रतियोगी भारत आते हैं। इन दिनों गुजरात की छठा ही निराली होती है। आसमान में उडती रंगबिरंगी पतंगें मानो जादू सा कर देतीं हैं, हर कोई इस उत्सव में खिचा चला आता है। पूरा आसमान विभित्र आकारों की रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाता है।

दो हजार ग्यारह में देश की राजधानी दिल्ली के इंडिया गेट पर पतंगबाजी आईपीएल दो दिन हुआ था। पहले दिन देश के कोने-कोने से आये खिलाड़ी पेंच लड़ाते नजर आये दूसरा दिन आम लोगों के नाम हुआ। इस मुकाबले में महिलाओं को भी हुनर दिखने का मौक़ा मिला। वैसे तो भारत में बच्चे गर्मियों की छुट्टी में पतंग उड़ाते हैं किन्तु कई राज्यों में मकर-संक्रांति, छब्बीस-जनवरी एवं पंद्रह अगस्त को पतंग उड़ाई जाती हैं। ऊंचीं उड़ती पतंग खिलाड़ियों के मन में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित करती है तो नकारात्मकता स्वयं दूर हो जाती है।

पतंगबाजी मानव को कल्पनाशील भी बनाती है। जिस प्रकार पतंग विपरीत हवा में आसमान में ऊँची उड़ती है, वैसे ही विपरीत परिस्थितियों में ही मनुष्य के धेर्य तथा साहस की परीक्षा होती है। पतंगबाजी से पूरे शरीर का व्यायाम भी हो जाता है।

I. दुनिया की पहली पतंग कहाँ उड़ाई गई ?

i. चीन

ii. अहमदाबाद

iii. गुजरात

iv. भारत

II. काईट उत्सव कहाँ मनाया जाता है?

i. गुजरात

ii. भारत

iii. दिल्ली

iv. अहमदाबाद

III. भारत में पतंग कब-कब उड़ाई जाती है?

i. छब्बीस जनवरी

ii. पंद्रह अगस्त

iii. मकर संक्रांति

iv. उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं

IV. राजधानी दिल्ली में पतंग आईपीएल कब हुआ था ?

i. 2012

ii. 2011

iii. 2013

iv. 2014

V. पतंगबाज़ी मानव को कैसा बनाती है ?

i. कल्पनाहीन

ii. कल्पनाशील

iii. विवेकहीन

iv. मूर्ख

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

मैथिलीशरण गुप्त गांधी युग के प्रतिनिधि कवि हैं- अपने जीवन के प्रौढ़िकाल में ही वे इस गौरव के अधिकारी हो गए थे। गांधी युग का प्रतिनिधित्व एक सीमा तक सम्पूर्ण आधुनिक काल का प्रतिनिधित्व भी माना जा सकता है। गांधी युग की प्रायः समस्त मूल प्रवृत्तियां-राष्ट्रीय, सामाजिक और सांस्कृतिक आंदोलन-गुप्तजी के काव्य में प्रतिफलित हैं। यह प्रतिफलन प्रत्यक्ष भी है और परोक्ष भी। कुछ रचनाओं में युग-जीवन का स्वर मुखर है और उनमें वातावरण की हलचल का प्रत्यक्ष चित्रण किया गया हैं। इनमें कवि, राष्ट्रकवि के दायित्व का भी पालन करता है। कुछ अन्य रचनाओं में युग-चेतना अत्यंत प्रखर है परंतु वह प्रच्छन्न है। गुप्तजी के संस्कार मूलतः सामंतीय थे और उनके घर का वातावरण वैष्णव था, तथापि वे समय के साथ चलने का निरन्तर

प्रयत्न करते थे तथा देश के विभिन्न आंदोलनों को समझने का भी प्रयत्न करते थे। उनकी प्रतिक्रिया प्रायः प्रखर और प्रबल होती थी। गांधी युग की समस्याओं का चित्रण प्रेमचंद ने भी किया और अपने ढंग से प्रसाद ने भी। प्रेमचंद की दृष्टि बहिर्मुखी थी, उनकी चेतना सामाजिक-राजनीतिक थी। प्रसाद की दृष्टि अंतर्मुखी थी और उनकी चेतना एकांत रूप में सांस्कृतिक थी-गांधी युग की प्रायः सभी प्रमुख समस्याओं को उन्होंने ग्रहण किया, परंतु उनके बहिरंग में उनकी रूचि नहीं थी। अपने नाटकों में प्रसाद ने उन्हें पूर्णतः सांस्कृतिक रूप में प्रस्तुत किया है और कामायनी में आध्यात्मिक धरातल पर। अपने उपन्यासों में प्रसाद उन्हें राजनीतिक-सामाजिक धरातल पर ग्रहण करते हैं परंतु शीघ्र ही उनके बहिरंग रूपों को भेदकर उनमें निहित सांस्कृतिक तत्वों का चित्रण भी करने लगते हैं। गुप्तजी की स्थिति मध्यवर्ती है, उनका दृष्टिकोण राष्ट्रीय-सांस्कृतिक है। उनमें न तो प्रेमचंद के समान व्यावहारिकता का आग्रह है और न प्रसाद की तरह दार्शनिकता का। उनमें सगुण तत्व अधिक है। प्रेमचंद में धर्म-भावना का अभाव है तो प्रसाद में लोकभावना का। गुप्तजी में लोक चेतना का प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत अधिक मिलता हैं।

I. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है-
   i. गांधी-युग की काव्य चेतना
   ii. मैथिलीशरण गुप्त का काव्य
   iii. प्रेमचंद का साहित्य
   iv. आधुनिक हिन्दी काव्य की मूल प्रवृत्तियां

II. सही वक्तव्य कौन-सा है?
   i. प्रसाद गांधी-युग के प्रतिनिधि कवि हैं।
   ii. मैथिलीशरण गुप्त एक सीमा तक संपूर्ण आधुनिक काल का प्रतिनिधित्व करते हैं।
   iii. प्रेमचंद के साहित्य में गांधी युग की समस्त मूल प्रवृत्तियों का प्रतिफलन है।
   iv. गुप्तजी की रचनाओं में वातावरण की हलचल का परोक्ष चित्रण है।

III. राष्ट्रकवि के दायित्व का पालन किया है
   i. जयशंकर प्रसाद ने
   ii. मैथिलीशरण गुप्त ने
   iii. दोनों ने
   iv. इनमें से कोई नहीं

IV. सही वक्तव्य कौन-सा है?
   i. प्रसाद के घर का वातावरण वैष्णव था।
   ii. गुप्तजी के संस्कार सामंतीय थे।
   iii. प्रेमचंद में युग-चेतना अत्यंत प्रखर है।
   iv. गांधी युग की एक मूल प्रवृत्ति धार्मिक आंदोलन की थी।

V. सही वक्तव्य कौन-सा है?
   i. प्रेमचंद की दृष्टि सांस्कृतिक थी।
   ii. प्रसाद देश के विभिन्न आंदोलनों को समझने का प्रयत्न करते थे।
   iii. प्रेमचंद अपने समय के साथ चलने का प्रयत्न करते थे।

iv. गुप्तजी के काव्य में गांधीयुग की प्रवृतियों का परोक्ष प्रतिफलन भी है।

VI. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द/वाक्यांश, दिये गए शब्द/वाक्यांश का समानार्थी है?

परोक्ष

i. सम्मुख

ii. रुक्ष

iii. परुष

iv. अप्रत्यक्ष

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

इस संसार की यही रीति है। सत्यवादी मारा जाता है। आज से सहस्त्रों वर्ष पूर्व ग्रीस देश में एक दार्शनिक रहा करता था। उसका नाम सुकरात था। उसकी बातें सीधी-सच्ची पर तीखी होती थी। समाज उन्हें सह नहीं सका और उसे कानूनी आज्ञा का पालन करते हुए विष का प्याला पीना पड़ा। इसी प्रकार तत्कालीन शासन-सत्ता तथा सामाजिक और धार्मिक दुराचारों के विरूद्ध आवाज उठाने पर ईसा को सूली पर चढ़ना पड़ा। सलीब पर से ईसा का यह आर्तनाद आज भी गूँज रहा है- हे प्रभु, हे पिता, तुम हमें क्यों भूल गए हो? साम्प्रदायिक विष को शांत करने और लोगों में साम्प्रदायिक सद्भावना फैलाने के लिए गाँधीजी अपने जीवन की बाजी लगाकर एक स्थान से दूसरे स्थान घूमते फिरे, अन्त में उन्हें गोली का शिकार होना पड़ा। इन दृष्टांतों की पुनरावृत्ति अभी हाल ही में अमरीका में हुई है। वहाँ के काले लोगों को अनेक रंग और जाति के दुर्व्यवहारों से मुक्ति दिलाकर समाज में समुचित स्थान दिलाने को डॉ किंग ने अहिंसक आन्दोलन खड़ा किया था। उन्होंने चाहा कि अमरीका के गोरे लोगों में हृदय परिवर्तन हो और वे नीग्रो अमेरिकनों को नौकरी में और सामाजिक प्रतिष्ठा में वही स्थान पाने दें जो श्वेत अमेरिकनों को मिलता है, लेकिन उसको भी निर्भीक सच्चाई बरतने का मूल्य अपने प्राण देकर चुकाना पड़ा। आज संसार के सामने वही पुराना प्रश्न फिर खड़ा हो गया है। क्या दुनिया में सच कहने वालों का और इन्साफ माँगने वालों का इसी प्रकार अन्त होता रहेगा? क्या आपसी विद्वेष को समाप्त करने की संभावना, इस दुनिया में सबको पसन्द नहीं हो सकेगी? जरा सोचिए, यदि इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक हुआ, तो मनुष्य जाति का भविष्य कितना निराशाजनक होगा?

I. ग्रीस देश के एक दार्शनिक का नाम था-

i. अरस्तू

ii. सुकरात

iii. प्लेटो

iv. वाल्टेयर

II. गाँधीजी को गोली का शिकार होना पड़ा, क्योंकि-

i. धार्मिक दुराचारों के विरूद्ध आवाज उठाने के लिए

ii. साम्प्रदायिक विष शांत करने एवं साम्प्रदायिक सद्भावना फैलाने के कारण

iii. अहिंसक आन्दोलन चलाने के कारण

iv. काले लोगों को सामजिक प्रतिष्ठा दिलाने के कारण

III. डॉ. किंग को प्राणों का मूल्य किसलिए चुकाना पड़ा?

i. निर्भीक सच्चाई बरतने का मूल्य

ii. साम्प्रदायिक विष फैलाने के लिए

iii. रंगभेद का वातावरण तैयार करने के लिए

iv. सामाजिक न्याय दिलाने के प्रयासों के लिए

IV. सुकरात को विष का प्याला क्यों पीना पड़ा?

i. वे खरी-खोटी कहते थे

ii. वे जाति-पाँति का भेदभाव करते थे

iii. उनका दिमागी संतुलन ठीक नहीं था

iv. वे लड़ाकू प्रकृति के थे

V. ईसा का आर्तनाद कहाँ से गूँज रहा है?

i. किलों पर से

ii. सूली पर से

iii. सलीब पर से

iv. चोटी पर से

VI. 'रीति' शब्द का समानार्थी शब्द है?

i. रिक्ति

ii. परंपरा

iii. रत्न

iv. रसाल

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

एक गाँव में अलगू चौधरी और जुम्मन शेख नामक दो मित्र रहते थे। दोनों की मित्रता गाढ़ी थी। जुम्मन शिक्षित था, अलगू धनवान। जुम्मन की एक बूढ़ी मौसी विधवा थी। वह निःसन्तान थी, पर थी मिलकियत वाली। उसने चारों और आँख उठाकर देखा, जुम्मन के सिवा कहीं उसका कोई अपना नजर न आया। मौसी ने जुम्मन के नाम अपनी मिलकियत रजिस्ट्री कर दी। जुम्मन ने वादा किया कि वह आजीवन मौसी को खाना-कपड़ा देगा। पर रजिस्ट्री होते ही जुम्मन ने रंग बदला, वह मौसी जो पहले सर पर बेठी थी, अब पेरों तले कुचली जाने लगी। बूढ़ी मौसी ने समझा कि वह सब जुम्मन की पली की बदमाशी है। उसने जुम्मन से शिकायत की। जुम्मन चुप रहा।

तब मौसी का माथा ठनका। उसने जुम्मन को पंचायत की धमकी दी। बूढ़ी मौसी हाथ में लकड़ी लिये आस-पास के गाँवों, पंचों के पास दौड़ती रही। सबके सामने उसने दुःख के आँसू बहाये। अलगू इस झगड़े से अलग रहना चाहता था। पर बूढ़ी मौसी उसे इस बीच घसीटना चाहती थी। अलगू ने मौसी से कहा- "जुम्मन मेरा मित्र है, "उससे बिगाड़ नहीं कर सकता।" मौसी ने कहा, तो क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगें?" इस ललकार को सुनकर अलगू के भीतर सोया हुआ धर्मज्ञान जाग पड़ा। उसने पंचायत में सम्मिलित होने की स्वीकृति दे दी। प्रश्न यह उठा कि पंच किसे बदा जाए। जुम्मन ने इस प्रश्न का निपटारा मौसी के हाथ में ही छोड़ दिया। मौसी ने अलगू को पंच बदा। लोगो ने समझा, अब जुम्मन की विजय निश्धित है। अलगू जुम्मन का मित्र

है। उसका फैसला जुम्मन के पक्ष में होगा। पर, सरपंच के पद पर बैठते ही अलगू का उत्तरदायित्व ज्ञान जाग पड़ा। वह भूल गया कि जुम्मन उसका दोस्त है। उसने सत्य ओर न्याय का पक्ष लिया। उसका फैसला बूढ़ी मौसी के पक्ष में हुआ। उसने फैसला किया- "खालाजान को माहवार खर्च दिया जाय। अगर जुम्मन को खर्च देना मंजूर न हो, तो हिब्बानामा रद्द समझा जाय।"

I. किसकी मौसी विधवा थी?
   i. अलगू चौधरी की
   ii. जुम्मन शेख की
   iii. किसी की नहीं
   iv. दोनों की

II. पंचायत में सम्मिलित होने की स्वीकृति किसने दी थी?
   i. जुम्मन ने
   ii. अलगू ने
   iii. मौसी ने
   iv. गाँव के एक आदमी ने

III. अलगू चौधरी और जुम्मन शेख _____ और एक _____ रहते थे।
   i. पड़ोसी थे, घर में
   ii. पड़ोसी थे, गाँव में
   iii. दो मित्र थे, गाँव में
   iv. दो दुश्मन थे, गाँव में

IV. निम्नलिखित में से निश्चित रूप से क्या सत्य है?
   i. अलगू और जुम्मन के बीच दुश्मनी थी
   ii. जुम्मन मौसी का एक मात्र बेटा था
   iii. मौसी मिलकियतवाली थी
   iv. मौसी एक युवा विधवा थी

V. तो क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे? यह किसने कहा था?
   i. अलगू ने
   ii. जुम्मन ने
   iii. मौसी ने
   iv. पंच ने

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. रेखांकित पदबंधों में से कौनसा सर्वनाम पद का उदाहरण है ?
      a. मैं **<u>बहुत तेज़ी से दौडकर</u>** गया।
      b. **<u>बेचारा वह</u>** कहाँ जा सकता है?
      c. वह **<u>पढकर सो गया है</u>**।

d. मुझे **चार किलो पिसी हुई** मिर्च ला दो।

ii. किस वाक्य का रेखांकित पदबंध विशेषण पदबंध है?

a. **परिश्रम करने वाले लोग** सफल हैं।

b. बच्चा **बहुत जोर से** चिल्लाया।

c. मैं रोज़ रात को मंदिर **जाया करता था**।

d. **मेरा छोटा** बेटा कल वापस आ रहा है।

iii. 'विशेषण पदबंध' का उचित उदाहरण कौन सा है ?

a. मैंने एक नई कार खरीदी

b. सब लोग मंदिर गए हैं

c. नृत्य करने वाली लडकियाँ चली गईं

d. वह बहुत धीरे चल रही है

iv. 'वह नौकर से कपड़े **धुलवा रही है**।' में कौनसा पदबंध है ?

a. क्रिया विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया पदबंध

v. किस वाक्य में रेखांकित पदबंध क्रिया विशेषण पदबंध है ?

a. मोहन **एक मशहूर** गायक है।

b. मैंने **अपनी सभी किताबें** बच्चों को दे दीं।

c. वे मुझे अक्सर फ़ोन कर **लिया करती हैं**।

d. वह **बहुत धीरे** चल रही है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. मेरा गाँव छोटा-सा है। उसके चारों ओर जंगल है। (सरल वाक्य)

a. क्योंकि मेरा गाँव छोटा-सा है इसलिए उसके चारों ओर जंगल है।

b. मेरे छोटे-से गाँव के चारों ओर जंगल है।

c. मेरा गाँव छोटा-सा है और उसके चारों ओर जंगल है।

d. मेरा गाँव छोटा-सा है, जिसके चारों ओर जंगल है।

ii. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. मैं गले में दर्द होने के कारण कुछ नहीं बोलूँगा।

b. क्योंकि मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

c. मेरे गले में दर्द है। मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

d. मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

iii. इन वाक्यों में से सरल वाक्य की पहचान कीजिए-

a. सोहन ने अपने मित्र को बुलाया।

b. अपने मित्र को, सोहन ने बुलाया।

c. सोहन ने बुलाया अपने मित्र को।

d. अपने मित्र को बुलाया, सोहन ने।

iv. तोता पिंजरे में बंद है और मिर्च खा रहा है। (सरल वाक्य)

a. मिर्च खा रहा है तोता, क्योंकि वह पिंजरे में बंद है।

b. पिंजरे में बंद तोता मिर्च खा रहा है।

c. जो तोता पिंजरे में बंद है, वह मिर्च खा रहा है।

d. क्योंकि तोता पिंजरे में बंद है, इसलिए वह मिर्च खा रहा है।

v. जब वह बाज़ार गया तब उसने फल खरीदे। (संयुक्त वाक्य)

a. वह बाज़ार गया और फल खरीदे।

b. उसने बाज़ार जाकर फल खरीदे।

c. वह फल खरीदने बाज़ार जाएगा |

d. क्योंकि उसने फल खरीदने थे इसलिए वह बाज़ार गया।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. 'समास' विधि से बने शब्दों को कहते हैं-

a. संक्षेपीकरण

b. समान पद

c. समस्त पद

d. समास-विग्रह

ii. बसचालक

a. बस को चलाने वाला - तत्पुरुष समास

b. बस का चालक - कर्मधारय समास

c. बस का चालक है जो - तत्पुरुष समास

d. बस के लिए चालक - कर्मधारय समास

iii. जिस समास में पहला पद कोई अव्यय या अविकारी शब्द होता है।

a. अव्यय समास

b. अविकारीभाव समास

c. अविव्ययिभाव समास

d. अव्ययीभाव समास

iv. त्रिलोचन

a. तीन नेत्र - द्विगु समास

b. तीन लोचनों का समाहार - द्वंद्व समास

c. तीन नेत्रों वाला - द्वंद्व समास

d. तीन नेत्र हैं जिसके अर्थात महादेव - बहुब्रीही समास

v. जिस समस्त पद के विग्रह में कारकीय चिह्नों का प्रयोग किया जाता है-

a. तत्पुरुष

b. कर्मधारय

c. द्विगु

d. द्वंद्व

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. आतंकवादियों के पकड़े जाने से मानो डर का _____।

a. किस्सा सुनाने लगा है।

b. कहानी खत्म हो गई है।

c. किस्सा बन गया है।

d. किस्सा ख़त्म हो गया है।

ii. पन्ने रंगना

a. बेकार में लिखना

b. चित्रकारी करना

c. पृष्ठों पर रंग गिराना

d. पृष्ठों में रंग भरना

iii. दूसरों के लिए _____ करने वालों के लिए स्वयं ही सारे रास्ते बंद हो जाते हैं |

a. दीवार खड़ी

b. दीवार बंद

c. दीवार बनाने का काम

d. दीवार चढ़ने

iv. एक वृद्ध को सड़क पर भीख मांगते देखकर मेरा _____ गया |

a. दिल दुखी हो

b. दिल घायल हो

c. दिल कायल हो

d. दिल पसीज

v. मैं पहले ही दुखी हूँ, तुम मेरा मज़ाक बनाकर मेरे _____ बंद करो।

a. घाव पर मिर्च लगाना

b. घाव पर नमक छिड़कना

c. घाव पर वार करना

d. घाव पर चोट करना

7. **निम्नलिखित पद के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

हरि आप हरो जन री भीर।
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि, धरयो आप सरीर।
बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुञ्जर पीर।
दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।।

I. मीरा अपने आप को किसकी दासी कहती है?
   i. हरि की
   ii. द्रौपदी की
   iii. प्रभु की
   iv. कृष्ण की

II. कुंजर का क्या अर्थ है ?
   i. ऐरावत
   ii. हरि
   iii. हाथी
   iv. किनारा

III. कृष्ण ने किसके कष्ट को दूर किया था?
   i. मीरा
   ii. द्रौपदी
   iii. फूल
   iv. साम्राज्य

IV. मीरा कृष्ण से क्या अनुरोध करती है ?
   i. अपने दुखों को समाप्त करने की
   ii. द्रौपदी की लाज बचाने की
   iii. सब की पीड़ा हरने की
   iv. दर्शन देने की

8. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है। वर्सेवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है। इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है। बच्चे अभी छोटे हैं। उनके खिलाने-पिलाने की ज़िम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है। वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं। और क्यों न आएँ-जाएँ आखिर उनका भी

घर है। लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है। वे कभी किसी चीज़ को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्जा गालिब को सताने लगते हैं। इस रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं। मगर अब न सोलोमेन है जो उनकी जुबान को समझकर उनका दुख बाँटे, न मेरी माँ है, जो इनके दुखों में सारी रात नमाज़ों में काटे।

I. दोनों कबूतर आपके घर के बाहर खामोश और उदास क्यों बैठे रहते हैं?
   i. वह बोल नहीं सकते
   ii. उनकी उदासी को समझने वाला कोई नहीं है
   iii. उनकी जुबान को समझ इनका दुख बांटने वाला कोई नहीं है
   iv. उनके रहने की जगह छीन ली गई है

II. छोटे कबूतरों को खाना खिलाने की जिम्मेदारी किसकी है?
   i. लेखक को
   ii. लेखक की पत्नी को
   iii. बड़े कबूतरों को
   iv. उनकी खुद की जिम्मेदारी है

III. इतने सारे परिंदे शहर छोड़कर क्यों चले गए?
   i. उनसे उनका घर छीन लिया गया
   ii. उनको नए घर मिल गए
   iii. उनके जगह पर किसी और को बसा दिया गया
   iv. इस शहर में उनका अब मन नहीं लगता था

IV. कबूतरों को उनके बच्चों से क्यों अलग कर दिया गया?
   i. लेखक के परिवार को बहुत परेशान करते थे
   ii. वे अपना दुख किसी से कह नहीं सकते
   iii. अब उनके दुख को समझने वाला कोई नहीं है
   iv. उनके रहने की जगह सही नहीं थी

V. लेखक का घर अभी जहाँ है, वहाँ पहले क्या था?
   i. कार्यालय
   ii. बाजार
   iii. जंगल
   iv. कारखाने

9. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

गोरा - दूर से गर्द उठती दिखाई दे रही है।

कर्नल - सिपाहियों से कह दो कि तैयार रहें (सिपाही सलाम करके चला जाता है)

लेफ्टीनेंट - (जो खिड़की से बाहर देखने में मसरूफ़ था) गर्द तो ऐसी उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो मगर मुझे तो एक ही सवार नज़र आता है।

कर्नल - (खिड़की के पास जाकर) हाँ एक ही सवार है। सरपट घोड़ा दौड़ाए चला आ रहा है।

लेफ्टीनेंट - और सीधा हमारी तरफ़ आता मालूम होता है (कर्नल ताली बजाकर सिपाही को बुलाता है)

कर्नल - (सिपाही से) सिपाहियों से कहो, इस सवार पर नज़र रखें कि ये किस तरफ़ जा रहा है (सिपाही सलाम करके चला जाता है)

लेफ्टीनेंट - शुब्हे की तो कोई गुंजाइश ही नहीं तेज़ी से इसी तरफ़ आ रहा है (टापों की आवाज़ बहुत करीब आकर रुक जाती है)

सवार - (बाहर से) मुझे कर्नल से मिलना है।

गोरा - (चिल्लाकर) बहुत खूब।

सवार - (बाहर से) सी।

गौरा - (अंदर आकर) हुज़ूर सवार आपसे मिलना चाहता है।

कर्नल - भेज दो।

लेफ्टीनेंट - वज़ीर अली का कोई आदमी होगा हमसे मिलकर उसे गिरफ़्तार करवाना चाहता होगा।

कर्नल - खामोश रहो (सवार सिपाही के साथ अंदर आता है)

सवार - (आते ही पुकार उठता है) तन्हाई! तन्हाई!

कर्नल - साहब यहाँ कोई गैर आदमी नहीं है आप राज़ेदिल कह दें।

सवार - दीवार हमगोश दारद, तन्हाई।

I. गर्द उड़ते देख कर क्या प्रतीत होता है?
   i. कोई फौज आ रही हो
   ii. एक काफिला चला आ रहा हो
   iii. कोई एक सवार आ रहा हो
   iv. कोई आक्रमण कर रहा हो

II. सवार किस से मिलना चाहता था?
   i. कर्नल से
   ii. सिपाही से
   iii. वजीर अली से
   iv. लेफ्टिनेंट से

III. लेफ्टिनेंट को सवार क्या लगता है?
   i. वजीर अली
   ii. कोई सिपाही
   iii. वजीर अली का कोई आदमी
   iv. कोई आम आदमी

IV. कर्नल सिपाहियों को क्या हुकुम देता है?

i. सवार पर नजर रखने का

ii. सवार को पकड़ने का

iii. कुछ नहीं करने का

iv. सवार को रोकने का

V. सवार के आने की सूचना कौन कर्नल को देता है?

i. सिपाही

ii. गोरा

iii. लेफ्टिनेंट

iv. वजीर अली

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. आशय स्पष्ट कीजिए- फिर भी जैसे-मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेलकूद का तिरस्कार न कर सकता था।

ii. वामीरो तताँरा को क्यों भूलना चाहती थी? पर वह चाहकर भी ऐसा क्यों नहीं कर पा रही थी? तताँरा-वामीरो की कथा के आधार पर बताइए।

iii. 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर बताइए कि मानव मन में धरती की उत्पत्ति के संबंध में कौन-कौन से प्रश्न उठते हैं?

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए:

कवि के अनुसार वेदों ने किस सत्य को उजागर किया है और अनर्थ क्या है? 'मनुष्यता' काव्य के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर बताइए कि बच्चों का खेलकूद में अधिक रुचि लेना अभिभावकों को अप्रिय क्यों लगता था?

ii. पुजारी द्वारा हरिहर काका के घर की बातें सुनकर ठाकुरबारी के महंत के कान खड़े हो जाने को आप उसकी किस प्रवृत्ति का द्योतक मानते हैं? ऐसी स्थिति में आपकी समझ में उनका क्या कर्तव्य होना चाहिए था?

iii. टोपी ने दोबारा कलेक्टर साहब के बँगले की ओर रुख़ क्यों नहीं किया? टोपी शुक्ला पाठ के आधार पर लिखिए।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत** विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

ii. **परहित सरिस धर्म नहिं भाई अथवा परोपकार** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- सूक्ति से तात्पर्य
- मानव एवं पशु में अंतर
- परोपकारियों के उदाहरण
- भारतीय संस्कृति में परोपकार का महत्त्व

iii. **आधुनिक जीवन में मोबाइल** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- वर्तमान समय में मोबाइल की महत्ता
- मोबाइल फोन द्वारा प्राप्त होने वाली सुविधाएँ
- मोबाइल फोन से होने वाले नुकसान

14. दूरदर्शन निदेशालय को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि किशोरों के लिए देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले अधिकाधिक कार्यक्रमों को प्रसारित करने की ओर ध्यान दिया जाए।

OR

विद्यालय के गेट पर मध्यावकाश के समय ठेले और रेहड़ी वालों द्वारा जंक फूड बेचे जाने की शिकायत करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर उन्हें रोकने का अनुरोध कीजिए।

15. आप जीसस मैरी पब्लिक स्कूल, तुगलकाबाद, दिल्ली के प्रधानाचार्य साकेत सिन्हा हैं। सभी शिक्षकों तथा स्कूल कैप्टन को वार्षिक खेलों के आयोजन संबंधी बैठक में उपस्थित रहने संबंधी 20-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

OR

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित किए जा रहे किसी आयोजन के प्रमुख आकर्षणों का उल्लेख करते हुए लगभग 25-30 शब्दों में एक सूचना लिखिए।

16. फरारी विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

OR

आपने कपड़ों के छोटे-छोटे बैग तैयार किए हैं। उसकी बिक्री के लिए लगभग 25-50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

17. **गंगा नदी से हुई एक मुलाकात** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

जब मैंने अन्तरिक्ष में कदम रखा विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 03 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) चीन
   II. (iv) अहमदाबाद
   III. (iv) उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं
   IV. (ii) 2011
   V. (ii) कल्पनाशील

OR

   I. (ii) मैथिलीशरण गुप्त का काव्य
   II. (ii) मैथिलीशरण गुप्त एक सीमा तक संपूर्ण आधुनिक काल का प्रतिनिधित्व करते हैं।
   III. (ii) मैथिलीशरण गुप्त ने
   IV. (ii) गुप्तजी के संस्कार सामंतीय थे।
   V. (iv) गुप्तजी के काव्य में गांधीयुग की प्रवृतियों का परोक्ष प्रतिफलन भी है।
   VI. (iv) अप्रत्यक्ष

2. I. (ii) सुकरात
   II. (ii) साम्प्रदायिक विष शांत करने एवं साम्प्रदायिक सद्भावना फैलाने के कारण
   III. (iv) सामाजिक न्याय दिलाने के प्रयासों के लिए
   IV. (iii) वे खरी-खोटी कहते थे
   V. (iv) सलीब पर से
   VI. (ii) परंपरा

OR

   I. (ii) जुम्मन शेख की
   II. (ii) अलगू ने
   III. (iii) दो मित्र थे, गाँव में
   IV. (iii) मौसी मिलकियतवाली थी
   V. (iii) मौसी ने

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (b) **<u>बेचारा वह</u>** कहाँ जा सकता है?

Explanation: प्रस्तुत वाक्य में रेखांकित पदबंध सर्वनाम पदबंध का उचित उदाहरण है क्योंकि इसमें सर्वनाम पद की जानकारी दी गई है।

ii. (d) **<u>मेरा छोटा</u>** बेटा कल वापस आ रहा है।

Explanation: यह विशेषण पदबंध है क्योंकि इसमें विशेषण का समूह है।

iii. (a) मैंने एक नई कार खरीदी

Explanation: क्योंकि इसमें विशेषण का समूह आया है अतः यही विशेषण पदबंध का सही उदाहरण है।

iv. (d) क्रिया पदबंध

Explanation: कोई भी 'क्रिया' शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होता है तब उसमें 'सहायक क्रिया ' के प्रत्यय जुड़ते हैं। इस तरह मुख्य क्रिया तथा सहायक क्रिया से युक्त पूरी रचना अपने में पदबंध ही होती है।

v. (d) वह **<u>बहुत धीरे</u>** चल रही है।

Explanation: प्रस्तुत वाक्य में एक से अधिक क्रिया विशेषण पद हैं इसलिए यह क्रिया विशेषण पदबंध है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (b) मेरे छोटे-से गाँव के चारों ओर जंगल है।

Explanation: यह विकल्प सही है। उद्देश्य- मेरे छोटे-से गाँव, विधेय- के चारों ओर जंगल है।

ii. (d) मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इसमें दोनों वाक्य 'इसलिए' योजक शब्द से जुड़े हैं पर वे एक दूसरे पर आश्रित नहीं हैं। वे दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे है। इनके बीच कार्य और कारण का संबंध है।

iii. (a) सोहन ने अपने मित्र को बुलाया।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि सरल वाक्य में एक ही क्रिया होती है। व्याकरण के वाक्य रचना के नियम 'कर्ता-कर्म-क्रिया' का पालन किया जाता है।

सोहन ने - कर्ता

मित्र को - कर्म

बुलाया - क्रिया

iv. (b) पिंजरे में बंद तोता मिर्च खा रहा है।

Explanation: यह विकल्प सही है।

उद्देश्य- पिंजरे में बंद तोता

विधेय- मिर्च खा रहा है।

v. (a) वह बाज़ार गया और फल खरीदे।

Explanation: यह विकल्प सही है।

समुच्चयबोधक- और का प्रयोग।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (c) समस्त पद

Explanation: समस्त पद

उदाहरण= घुड़सवार -समस्त पद, घोड़े पर सवार - विग्रह

ii. (a) बस को चलाने वाला - तत्पुरुष समास

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि प्रस्तुत शब्द में द्वितीय शब्द प्रधान है और 'को' परसर्ग (कर्म तत्पुरुष-को) का भी प्रयोग किया गया है जोकि तत्पुरुष समास में ही प्रयुक्त होता है।

iii. (d) अव्ययीभाव समास

Explanation: अव्ययीभाव समास

उदाहरण - भरपूर

भर- अव्यय-पूर्व पद

पूर - उत्तर पद

iv. (d) तीन नेत्र हैं जिसके अर्थात महादेव - बहुब्रीही समास

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इस विकल्प में 'त्रि' और 'नेत्र' दोनों पद मिलकर तीसरे पद 'महादेव' का प्रतिनिधित्व करते हैं।

v. (a) तत्पुरुष

Explanation: तत्पुरुष, उदाहरण- दानपेटी = दान <u>के लिए</u> पेटी।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) किस्सा ख़त्म हो गया है।

Explanation: किस्सा ख़त्म हो गया है। - बेखौफ हो जाना

ii. (a) बेकार में लिखना

Explanation: बेकार में लिखना - शीला ने पन्ने रंग दिए पर कोई फायदा नहीं हुआ।

iii. (a) दीवार खड़ी

Explanation: दीवार खड़ी करना - मुसीबतें खड़ी करना

iv. (d) दिल पसीज

Explanation: दिल पसीज - दया आ जाना

v. (b) घाव पर नमक छिड़कना

Explanation: घाव पर नमक छिड़कना - दुखी को और दुखी करना

7. I. (iv) कृष्ण की

II. (iii) हाथी

III. (ii) द्रौपदी

IV. (i) अपने दुखों को समाप्त करने की

8. I. (iii) उनकी जुबान को समझ इनका दुख बांटने वाला कोई नहीं है

II. (iii) बड़े कबूतरों को

III. (i) उनसे उनका घर छीन लिया गया

IV. (i) लेखक के परिवार को बहुत परेशान करते थे

V. (iii) जंगल

9. I. (ii) एक काफिला चला आ रहा हो

II. (i) कर्नल से

III. (iii) वजीर अली का कोई आदमी

IV. (i) सवार पर नजर रखने का

V. (ii) गोरा

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. लेखक हर समय अपने खेलकुद, सैर-सपाटे में मस्त रहता और बड़े भाई से डाँट खाता रहता था, परंतु फिर भी खेलकूद नहीं छोड़ता था। जैसे संकटों में फँसकर भी मनुष्य अपनी मोहमाया नहीं छोड़ता है। उसी प्रकार छोटा भाई खेलकूद को नहीं छोड़ता था।

ii. वामीरो को अपने गाँव की परंपरा अच्छी तरह से मालूम थी | जिसके अनुसार वह अपने गाँव के अलावा किसी अन्य गाँव के युवक से वैवाहिक संबंध स्थापित नहीं कर सकती हैं। इस कारण उसने तताँरा को भूल जाना ही ठीक समझा। वह तताँरा को भूलना चाहती थी किंतु ऐसा नहीं कर पा रही थी क्योंकि तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों के सामने घूम जाता था।

iii. पाठ के अनुसार मानव मन में धरती की उत्पत्ति के संबंध में निम्नलिखित प्रश्न उठते हैं-

a. दुनिया की शुरुआत कैसे हुई ?

b. प्रकृति और धरती चलती कैसे है ?

c. किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? आदि।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए: वेदों ने इस सत्य को उजागर किया है कि सबमें ईश्वरीय तत्त्व समान रूप से विद्यमान है। इस संसार का नियंता परमात्मा है। मनुष्य को अपने कर्मानुसार भिन्न-भिन्न जन्म व जीवन मिलते हैं। रंग-रूप, आकार-प्रकार में भले ही सब एक-दूसरे से अलग दिखाई दें, परंतु सब में उस परमशक्ति का वास है। यदि मनुष्य आपस में ही एक-दूसरे के कष्टों का निवारण नहीं करेंगे, तो इससे बड़ा अनर्थ कोई और हो ही नहीं सकता। हर व्यक्ति को एक-दूसरे के काम आना चाहिए। धिक्कार है ऐसे मनुष्य को, जो दूसरों की पीड़ा को दूर करने का प्रयास नहीं करते व सर्वसमर्थ होने पर भी एक-दूसरे की मदद नहीं करते। यही सबसे बड़ा अनर्थ है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. पाठ के अनुसार बच्चों का खेलकूद में अधिक रुचि लेना अभिभावकों को अप्रिय लगता था क्योंकि उनका मानना था कि केवल पढ़ाई कर के ही अपना भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है । वे मानते थे कि खेलकूद केवल समय की बर्बादी के सिवाय कुछ नहीं और खेलकूद में कोई भविष्य नहीं है।

वे अपने अध्ययनशील बच्चों के बेहतर भविष्य तथा जीवन में आगे बढ़ने के लिए केवल पढ़ाई को ही महत्व देते थे, किन्तु बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद अत्यंत आवश्यक है । इससे हमारे व्यक्तित्व का विकास होता है साथ में खेल से परस्पर सहयोग, सहनशीलता तथा नेतृत्व के गुणों का विकास होता है। खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन भी विकसित

होता है। इन बातों को समझने वाले अभिभावक, बच्चों को समय के अनुसार खेलने को भी अवश्य प्रोत्साहित करते हैं। आपके द्वारा खेलते समय इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि पढ़ाई व खेल में दिए जाने वाले समय में संतुलन बना रहे। छात्रों को अपनी दिनचर्या को इस प्रकार व्यवस्थित करना चाहिए कि खेल के कारण पढ़ाई में बाधा न पड़े।

ii. पुजारी द्वारा हरिहर काका के घर की बातें सुनकर ठाकुरबारी के महंत के कान खड़े हो जाते हैं। जब हरिहर काका अपने घरवालों से नाराज़ होकर घर छोड़ देते हैं, तो महंत ठाकुरबारी में उनकी खूब स्वागत करता है और अपनी चिकनी-चुपड़ी बातों से उन्हें अपनी जमीन ठाकुरवारी के नाम करने के लिए प्रेरित करता है।

बाद में वह काका के अपहरण का षड्यंत्र भी रचता है। इस पूरे घटनाक्रम से पता चलता है कि महंत एक धन-लोलुप और स्वार्थी व्यक्ति है। वह दूसरों को आध्यात्मिकता का संदेश देता है, परंतु स्वयं सभी दुर्गुणों से युक्त है। दुनिया की नज़र में वह साधु-संत है, परंतु वास्तविकता ठीक इसके विपरीत है।

हमारी समझ से इस स्थिति में महंत का यह कर्तव्य होना चाहिए था कि वह हरिहर काका के परिवार को काका के प्रति उनके कर्तव्यों का बोध करता और काका तथा उनके परिवार के बीच मध्यरथ की भूमिका निभाता। उसका काम समाज के सभी सदस्यों के दुःख सुख में उनकी मदद करना है, न कि उनके दुःखों को बढ़ाना।

iii. टोपी सरल स्वभाव और संकोची प्रवृत्ति का था। वह तुरंत किसी से दोस्ती नहीं कर पाता था। इफ़्फ़न के जाने के बाद वह बहुत अधिक अकेलापन महसूस कर रहा था। घर-परिवार में सब कुछ था, परंतु प्यार की कमी सदैव बनी रहती थी। फेल हो जाने के कारण कक्षा में भी कोई विद्यार्थी उससे सहानुभूति नहीं रखता था।

दूसरी ओर नए कलेक्टर के बच्चे अपने पिता के उच्च पद की अकड़ रखते थे। कोई टोपी को मुँह नहीं लगाता था। फिर भी हिम्मत करके उसने एक दिन कलेक्टर साहब के बंगले में प्रवेश किया। माली और चपरासी टोपी को अच्छी तरह पहचानते थे, इसलिए अंदर जाने से भी नहीं रोका। जब टोपी अंदर पहुँचा, तो तीनों लड़के क्रिकेट खेल रहे थे। उन्होंने जैसे ही टोपी को देखा, तो अंग्रेज़ी भाषा में प्रश्नों की झड़ी लगा दी।

इन सवालों-जवाबों में उनकी कहा-सुनी हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि उन लड़कों ने टोपी के पीछे कुत्ता छोड़ दिया। कुत्ते के काटने के कारण टोपी को सात सुइयाँ पेट में लगवानी पड़ीं। इस घटना के बाद कभी उसने पलटकर भी बंगले की ओर नहीं देखा। वास्तव में, सच्ची दोस्ती तभी संभव है, जब दोनों ओर से हाथ बढ़ाया जाए। अतः सरल स्वभाव होने पर भी टोपी नए कलेक्टर के अकड़ू बच्चों से दोस्ती नहीं कर सका।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. हम बहुत सरल और साधारण शब्दों में स्वच्छ भारत अभियान पर भाषण उपलब्ध करा रहे हैं। ये स्वच्छ भारत अभियान, सरकार द्वारा 2014 में भारत को स्वच्छ भारत बनाने के लिए शुरु किया गया था। ये भारत में सबसे बड़ा सामाजिक विषय है कि भारत में स्वच्छता की कमी के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं को कैसे सुलझाया जाये। प्रिय छात्र एवं छात्राओं भारत में स्वच्छता लाने में भाग लेने के लिए स्वच्छ भारत अभियान पर भाषण अपनी जरुरत और आवश्यकता के अनुसार उपयोग करने के लिए, आप बिल्कुल सही जगह पर हो।

देश का भविष्य होने के नाते, आप अपने समाज, समुदाय, स्कूलों और कॉलेजों में अपने चारों ओर साफ-सफाई की पहल करने और इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वच्छ भारत अभियान का नेतृत्व कर सकते हो। आप अपने शरीर और अपने आस पास के वातावरण को जितना साफ रखोगें उतनी सकारात्मक उर्जा अपनी ओर आकर्षित करेंगे। सिर्फ छोटे छोटे आसान से कदम उठाने हैं- कूड़े को कूड़ेदान में फेंकना, उन्हें खुले में नहीं फेंकना और खुले में शौच के लिए नहीं

जाना आदि।

ii. **परहित सरिस धर्म नहिं भाई अथवा परोपकार**

गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है कि

परहित सरिस धर्म नहिं भाई।
परपीड़ा सम नहिं अधमाई।।

अर्थात् परहित (परोपकार) के समान दूसरा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को पीड़ा (कष्ट) देने के समान कोई अन्य नीचता या नीच कर्म नहीं है। पुराणों में भी कहा गया है, 'परोपकारः पुण्याय पापाय परपीड़नम्' अर्थात् दूसरों का उपकार करना सबसे बड़ा पुण्य तथा दूसरों को कष्ट पहुँचाना सबसे बड़ा पाप है।
परोपकार की भावना से शून्य मनुष्य पशु तुल्य होता है, जो केवल अपने स्वार्थों की पूर्ति तक ही स्वयं को सीमित रखता है। मनुष्य जीवन बेहतर है, क्योंकि मनुष्य के पास विवेक है। उसमें दूसरों की भावनाओं एवं आवश्यकताओं को समझने तथा उसकी पूर्ति करने की समझ है। इसी कारण मनुष्य सर्वश्रेष्ठ प्राणी है।
इस दुनिया में महात्मा बुद्ध, ईसा मसीह, दधीचि ऋषि, अब्राहम लिंकन, मदर टेरेसा, बाबा आम्टे जैसे अनगिनत महापुरुषों के जीवन का उद्देश्य परोपकार ही था। भारतीय संस्कृति में भी इस तथ्य को रेखांकित किया गया है कि मनुष्य को उस प्रकृति से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिसके कण-कण में परोपकार की भावना व्याप्त है। भारतीय संस्कृति में इसी भावना के कारण पूरी पृथ्वी को एक कुटुंब माना गया है तथा विश्व को परोपकार संबंधी संदेश दिया गया है। इसमें सभी जीवों के सुख की कामना की गई है।

iii. मोबाइल आज विश्व में क्रांति का वाहक बन गया है। बिना तारों वाला मोबाइल फ़ोन जगह-जगह लगे ऊँचे टॉवरों से तरंगों को ग्रहण करते हुए मनुष्य को दुनिया के प्रत्येक कोने से जोड़े रहता है। मोबाइल फ़ोन सेवा प्रदान करने के लिए विभिन्न टेलीफ़ोन कंपनियाँ अपनी-अपनी सेवाएँ देती हैं। मोबाइल फ़ोन बात करने, एसएमएस की सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के खेल, कैलकुलेटर, फ़ोनबुक की सुविधा, समाचार, चुटकुले, इंटरनेट सेवा आदि भी उपलब्ध कराता है। अनेक मोबाइल फोनों में इंटरनेट की सुविधा भी होती है, जिससे ई-मेल भी किया जा सकता है। मोबाइल फोन सुविधाजनक होने के साथ ही नुकसानदायक भी है। मोबाइल फ़ोन का सबसे बड़ा दोष यह है कि यह समय-असमय बजता ही रहता है। लोग सुरक्षा और शिष्टाचार भूल जाते हैं। अकसर लोग गाड़ी चलाते समय भी फ़ोन पर बात करते हैं, जो असुरक्षित ही नहीं, बल्कि कानूनन अपराध भी है। अपराधी एवं असामाजिक तत्त्व मोबाइल का गलत प्रयोग अनेक प्रकार के अवांछित कार्यों में करते हैं। इसके अधिक प्रयोग से कानों में हृदय पर बुरा प्रभाव पड़ता है। अतः इन खतरों से सावधान होना आवश्यक है।

14. परीक्षा भवन
श्री गोविन्दम् विद्यालय
गोविन्द नगर
दिनांक- 21/08/2020

सेवा में,
निर्देशक जी
दूरदर्शन निदेशालय
अ व स नगर
विषय- देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले कार्यक्रम के अधिक प्रसारण हेतु पत्र
महोदय,
मैं गोविन्द नगर का निवासी हूँ। वर्तमान में दूरदर्शन संचार का सबसे प्रभावी साधन बन गया है। बालक हो या युवा सभी दूरदर्शन पर चलने वाले कार्यक्रमों से प्रेरणा ग्रहण कर अपने दैनिक जीवन में उसका प्रयोग करते हैं। इनमें से कुछ कार्यक्रम अच्छे भी होते हैं तथा कुछ किशोरों के लिए उपयोगी नहीं भी होते हैं।
अतः आपसे निवेदन कर रहा हूँ कि दूरदर्शन पर देशभक्ति से संबंधित कार्यक्रमों को अधिक से अधिक प्रसारण करवाने की कृपा करें। इससे किशोरावस्था वाले बालक-बालिकाओं के मन में देश के लिए प्रेम जागृत होगा तथा उनका नैतिक विकास भी होगा। ऐसे कार्यक्रम सीधे प्रभाव डालते हैं। यह कार्यक्रम युवाओं को देश के प्रति सोचने में विवश कर देगें।
इसके लिए हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।
सधन्यवाद
आपका विश्वासी
गिरीश सिंह वाघेला

OR

परीक्षा भवन
दिल्ली।
दिनाक 13 मार्च, 2019

सेवा में
प्रधानाचार्य महोदय
गंगा इंटरनेशनल स्कूल,
दरियागंज, दिल्ली - 11002
विषय विद्यालय के बाहर जंक फूड बेचे जाने से अवगत कराने हेतु।
महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय के दसवीं कक्षा का छात्र हैं। हमारे विद्यालय के गेट पर मध्यावकाश के समय ठेले और रेहड़ी पर जंक फूड बेचा जाता है। बहुत-से विद्यार्थी प्रतिदिन इस जंक फूड का सेवन करने के कारण बीमार पड़ गए हैं। इस खुले हुए जंक फूड पर मक्खियों और धूल-मिट्टी का आक्रमण रहता है। कल हमारे कुछ मित्रों ने यहाँ से बर्गर खरीद कर खाया था, जिसके कुछ ही देर बाद वे बीमार हो गए। इस बीमारी के कारण आज वे विद्यालय में उपस्थित नहीं हो पाए हैं, जिससे उनकी पढाई अवरुद्ध हो रही है। महोदय मेरा आपसे अनुरोध है कि इस प्रकार की घटिया गुणवत्ता वाले जंक फूड के बेचे जाने

पर रोक लगानी चाहिए।

धन्यवाद

भवदीय

तरुण

कक्षा-दसवीं 'ब'

15.

जीसस मैरी पब्लिक स्कूल, तुगलकाबाद, दिल्ली

सूचना

दिनांक 12 मार्च, 2019

वार्षिक खेलों के आयोजन संबंधी बैठक

विद्यालय के समस्त शिक्षकों और स्कूल कैप्टन को सूचित किया जाता है कि 15 मार्च, 2019 को मध्यावकाश में 1 बजे प्रधानाचार्य के कक्ष में खेल अध्यापक श्री पवन कुमार की अध्यक्षता में आगामी वार्षिक खेलों के आयोजन से संबंधित विषयों पर चर्चा करने हेतु बैठक बैठक का आयोजन होगा। आपकी उपस्थिति अनिवार्य है।

साकेत सिन्हा

प्रधानाचार्य

OR

न्यू स्टार अपार्टमेन्ट

सूचना

30 मार्च, 2019

हमारी सोसाइटी के सभी वरिष्ठ नागरिकों को सूचित किया जा रहा है कि इस बार उनके लिए एक विशेष समारोह का आयोजन किया जा रहा है। प्रमुख आकर्षक में संगीत सभा, कव्वाली, नाटक, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी आदि शामिल हैं। अतः विनम्र निवेदन है कि इस आयोजन का संपूर्ण रूप से लाभ उठाते हुए रात्रिभोज का विशेष रूप से आनन्द उठाएँ।

मोनिका मिश्रा

अध्यक्षा

16.

"जब बीवी बच्चों का संग, तो क्यों न हो फरारी आपकी पसंद"	"बच्चों की मनपसंद गाड़ी कैसे न बने आपके घर की फरारी"

जल्दी कीजिए

आज ही अपने नजदीकी शो रूम में जाइए

बुक करवाइए

पहले पचास

ग्राहकों के लिए दस प्रतिशत छूट

ऋण सुविधा उपलब्ध

पैशन फरारी कार शॉप

OR

सेल सेल सेल

कपड़ों के बैग की महासेल सिर्फ आपके लिए।

बेहद सुन्दर और ठिकाऊ।

न ज्यादा महंगा न ज्यादा सस्ता बजट होगा केवल आपके अनुसार।

बस आप आए खरीदारी करें।

हर कपड़े तथा हर रंग में पर १०% छूट।

खरीदने के लिए सम्पर्क करें:

गिरीश हाउस मैन मार्किट के पीछे

दूरभाष न. 88XXXXXX

17. **गंगा नदी से हुई एक मुलाकात**

काशी में गंगा के किनारे बैठी राधिका के हाथों में एक समाचार पत्र था जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का इंटरव्यू छपा था जिसमें गंगा नदी में व्याप्त गन्दगी के प्रति उन्होंने अपनी चिन्ता अभिव्यक्त की थी। प्रधानमंत्री जी के शब्दों में राधिका को गंगा

बोलती नजर आ ही थी जो अपनी व्यथा बता रही थी कि किस प्रकार लोग उसे दूषित कर रहे हैं, उसमें प्लास्टिक, रसायन और न जाने कैसे-कैसें अपदार्थ फेंक रहे हैं।

अपने पूर्व के दिनों को याद करती गंगा कहती है कि भगीरथ के द्वारा की गई तपस्या के उपरान्त ब्रह्मा के कमण्डल से उत्पन्न शिव की जटाओं का आश्रय लेती हुई इस धरती पर उनका आगमन हुआ था। सैंकड़ों वर्षों से भारत की धरती को पवित्र करने वाली गंगा आज स्वयं को शुद्ध करने के लिए हम मनुष्यों का मुख देख रही है।

अचानक राधिका को महसूस हुआ कि गंगा की आँखों से झरझर आँसू गिर रहे हैं और वह हाथ जोड़कर अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए गुहार कर रही है। राधिका को सब कुछ धूमिल-धूमिल सा लग रहा था, उसने गंगा जल को स्पर्श किया और मन ही मन कुछ निर्णय लेकर घर को ओर चल दी क्योंकि कल से उसे कुछ नया करना था।

OR

जब मैंने अन्तरिक्ष में कदम रखा

बहुत मन करता था कि मैं भी कभी अन्तरिक्ष में जाऊं। जल्दी ही मौका भी मिल गया। अपने चाचाजी के साथ अन्तरिक्ष यान में बैठकर पहुँच गया अन्तरिक्ष। वहाँ से देखने पर सभी ग्रह गेंद की भांति लग रहे थे। मैं यान से उतरा और सभी ग्रहों को छू-छू कर देखने लगा। मंगल तो किसी तारे के समान चमक रहा था। चाँद पर बहुत गड्ढे थे। सूरज बहुत गर्म था। मैं उसे छू भी नहीं पाया। पृथ्वी किसी शांत मुनि की भांति लग रही थी। जैसे ही मैंने उसे छूने के लिए हाथ बढ़ाया, मुझे किसी ने धक्का दिया। आँख खुली तो देखा कि मैं अपने पलंग से नीचे गिरा पड़ा हूँ।